[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4546A **I**

Unique Paper Code : 2322102301

Name of the Paper : Ancient and Medieval Indian Political Thought

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Political Science**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4 Answers may be written either in **English or Hindi** but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान है।
4. इस प्रश्न- पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Explain the key sources of Indian political thought, highlighting their historical, philosophical, and cultural significance in shaping India's political thought.
भारतीय राजनीतिक विचार के प्रमुख स्रोतों की व्याख्या कीजिये, भारत के राजनीतिक विचार को आकार देने में उनके ऐतिहासिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालिये।
2. How do cultural and territorial conceptions of India contribute to the foundation of Indian political thought?
भारत की सांस्कृतिक और प्रादेशिक अवधारणाएँ भारतीय राजनीतिक चिंतन के आधार के रूप में किस प्रकार योगदान देती हैं?
3. What are the key social laws prescribed by Manu in the Manu smriti, and how do they reflect the societal structure and duties of ancient Indian society?

P.T.O.

मनुस्मृति में मनु द्वारा निर्धारित प्रमुख सामाजिक कानून क्या हैं, और वे प्राचीन भारतीय समाज की सामाजिक संरचना और कर्तव्यों को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं?

4. How does Brihaspati conceptualize justice, and what role does it play in the governance of ancient Indian society?
बृहस्पति न्याय की अवधारणा कैसे बनाते हैं, और प्राचीन भारतीय समाज के शासन में इसकी क्या भूमिका है?

5. What are the main points of debate surrounding the authenticity of Shukra-Niti, and how do differing perspectives influence its interpretation as a source of Indian political thought?
शुक्रनीति की प्रामाणिकता के बारे में बहस के मुख्य बिंदु क्या हैं, और भारतीय राजनीतिक विचार के स्रोत के रूप में इसकी व्याख्या पर अलग-अलग दृष्टिकोण किस प्रकार प्रभाव डालते हैं?

6. What are the key principles of Kautilya's theory of state as outlined in the Arthashastra, and how do they contribute to the understanding of governance, diplomacy, and statecraft in ancient India?
अर्थशास्त्र में उल्लिखित कौटिल्य के राज्य सिद्धांत के प्रमुख सिद्धांत क्या हैं, और वे प्राचीन भारत में शासन, कूटनीति और राज्य कला की समझ में कैसे योगदान करते हैं?

7. Examine the Kabir's views on prevailing inequalities in his Contemporary Society.
कबीर के समकालीन समाज में व्याप्त असमानताओं के सम्बन्ध में उनके विचारोंका परीक्षण कीजिये।

8. How does Tiruvalluvar, in the integrate ethical life with politics, and what insights the Tirukkural on the relationship between morality and governance?
तिरुवल्लुवर ने नैतिक जीवन को राजनीति के साथ कैसे एकीकृत किया, तथा नैतिकता और शासन के बीच संबंधों पर तिरुक्कुरल की क्या अंतर्दृष्टि है?

9. How does Guru Nanak's philosophy embody the spirit of syncretism, and in what ways does it contribute to the reconciliation of diverse religious and cultural traditions in Indian political thought?
गुरु नानक का दर्शन किस प्रकार समन्वयवाद की भावना को मूर्त रूप देता है, तथा यह किस प्रकार भारतीय राजनीतिक चिंतन में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के समन्वय में योगदान देता है?

10. Write short notes on Any Two of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) Advaita
अद्वैतवाद

(b) Aggannasutta
अग्गनासुत्त

(c) Saptang theory
सप्तांग सिद्दांत

(d) Features of Indian Political Thought
भारतीय राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ